2021-22-STUDENT FEEDBACK

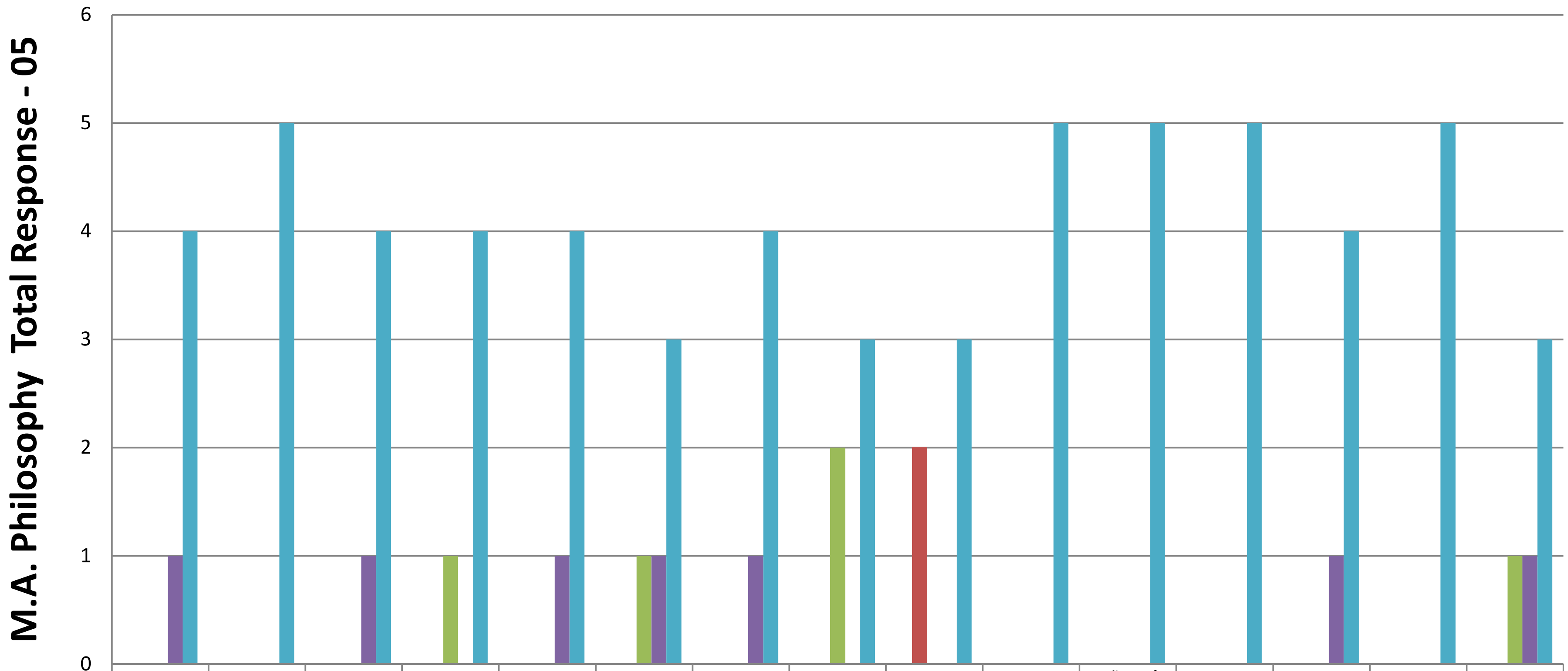

	The course content provides sufficient knowledge and skills about the course?	The course is well structured, interesting, relevant and up to date?	The units/sections in the syllabus are properly sequenced?	The course content is adequate in relation to the expected Course Outcomes (COs)	The allocation of the credits to the course is appropriate in relation to the level of course contents?	The course is useful in terms of knowledge, concept, vocational skill, analytical ability and broadening prospective	The pre-requisite learning is adequate for this course?	The course is relevant to the specialization and to the technological advancements?	Availability of study material in library and E-Contents	Level of experimental study/teaching in the Vishwavidyalaya.	Delivery of course content in organized manner as per syllabus with case studies/ demo models and completion of course on time by Course Coordinator	Classes are interesting, interactive, participatory via activity/outcome based learning?	Course-Coordinator is knowledgeable, honest, sincere, cordial, enthusiastic, energetic and approachable?	Transparency towards evaluation of answer scripts/ assignments by course faculty?	Encouragement for self learning/self studies by course?
Below Average	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Average	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0
Good	0	0	0	1	0	1	0	2	0	0	0	0	0	0	1
Very Good	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1
Excellent	4	5	4	4	4	3	4	3	3	5	5	5	4	5	3

दर्शनशास्त्र विभाग
Department of Philosophy
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
DOCTOR HARISINGH GOUR VISHWAVIDYALAYA, SAGAR (M.P.)
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय A CENTRAL UNIVERSITY)

No. Phil/2022-23/202

Dated: 09-01-2023

छात्र प्रतिक्रिया पर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन (2021–22)

Action Taken Report (ATR) on Student Feedback (2021-22)

डॉ0 हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (IQAC) ने शैक्षणिक सत्र 2021–22 के लिए विश्वविद्यालय में शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया और सुविधाओं पर गूगल फॉर्म के द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रम में पंजीकृत छात्रों द्वारा स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विषय से सम्बन्धित छात्रों की प्रतिक्रिया एकत्र की हैं। दर्शनशास्त्र विभाग के छात्रों द्वारा आन्तरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ (IQAC) द्वारा वांछित प्रश्नों पर अपनी प्रतिक्रिया सफलतापूर्वक प्रस्तुत की गई है।

सर्वेक्षण का विस्तृत परिणाम निम्नानुसार है :

1. **पाठ्यक्रम सामग्री पाठ्यक्रम के बारे में पर्याप्त ज्ञान और कौशल प्रदान करती है?**
   सभी विद्यार्थी सहमत हैं कि पाठ्यक्रम सामग्री उत्कृष्ट श्रेणी की है। शत–प्रतिशत विद्यार्थियों ने पाठ्य सामग्री को अति–उत्कृष्ट रूप में प्रशंसनीय कहा और इसे अगले सत्र हेतु सुचारू रूप से संचालन हेतु सराहा।

2. **पाठ्यक्रम अच्छी तरह से संरचित, रोचक, प्रासंगिक और अद्यतित है?**
   इस प्रश्न की प्रतिक्रिया में छात्रों की प्रतिक्रिया अति–उत्कृष्ट है। अतः यह दर्शाता है कि पाठ्यक्रम अच्छी तरह से संरचित, रोचक, प्रासांगिक और अद्यतित है।

3. **पाठ्यक्रम में इकाईयों/अनुभागों को ठीक प्रकार से अनुक्रमित किया गया है?**
   सभी 05 छात्रों की सर्वेक्षण प्रतिक्रिया संतोषप्रद है। अपनी सर्वेक्षण प्रतिक्रिया में एक छात्र ने इसे संतोषप्रद और चार छात्रों ने इसे अति–उत्कृष्ट बतलाया है। अतः यह दर्शाता है कि पाठ्यक्रम में इकाईयों के वर्गों को ठीक प्रकार से अनुक्रमित किया गया है।

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
PROFESSOR & HEAD
दर्शन-विभाग
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)-470003
Dr. H.S. Gour V.V. SAGAR (M.P.)-47000

4. **अपेक्षित पाठ्यक्रम परिणामों के सम्बन्ध में पाठ्यक्रम सामग्री पर्याप्त है?**
छात्रों की सर्वेक्षण प्रतिक्रिया संतोषजनक एवं अति–उत्कृष्ट श्रेणी की है, छात्रों की प्रतिक्रियाओं से यह स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम परिणामों के सम्बन्ध में पाठ्यक्रम सामग्री पर्याप्त है।

5. **पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट का आवंटन पाठ्यक्रम सामग्री के सम्बन्ध में उपयुक्त है?**
छात्रों द्वारा प्रतिक्रिया संतोषजनक एवं अति–उत्कृष्ट है, छात्रों की प्रतिक्रियाओं से यह स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम के लिए क्रेडिट का आवंटन पाठ्यक्रम सामग्री के सम्बन्ध में उपयुक्त है।

6. **पाठ्यक्रम ज्ञान अवधारणा, व्यवसायिक कौशल, विश्लेषणात्मक क्षमता और संभावनाओं को व्यापक बनाने के सन्दर्भ में उपयोगी है?**
बिन्दु क्रमांक 06 में छात्र–छात्राओं द्वारा प्रतिक्रियाएँ क्रमशः संतोषजनक, उत्कृष्ट एवं अति–उत्कृष्ट श्रेणी की दी गईं हैं। छात्रों द्वारा जो प्रतिक्रियाएँ दी गईं उनसे यह स्पष्ट है कि पाठ्यक्रम ज्ञान, अवधारणात्मक, विश्लेषणात्मक क्षमता और संभावनाओं को व्यापक बनाने के सन्दर्भ में उपयोगी है।

7. **इस पाठ्यक्रम के लिए पूर्व–आवश्यक शिक्षा पर्याप्त है?**
दर्शनशास्त्र विषय का पाठ्यक्रम इस प्रकार परिकल्पित किया गया है कि विद्यार्थी दर्शन की मूलभूत अवधारणाओं को आसानी से समझ सके। निष्कर्षतः यह देखने में आया है कि इस प्रश्न के उत्तर में विद्यार्थियों ने सकारात्मक एवं सराहनीय प्रतिक्रिया प्रस्तुत की है।

8. **पाठ्यक्रम विशेषज्ञता और तकनीकी प्रगति के लिए प्रासंगिक है?**
कोर और ऐच्छिक दोनों पाठयक्रमों के मिश्रण से, छात्रों को इन पाठ्यक्रमों में शामिल विषय के दोनों पहलुओं का ज्ञान मिलता है, जिससे छात्रों को मौलिक और उन्नत ज्ञान प्राप्त होता है। यह प्रत्येक छात्र को पाठ्यक्रम में विशेषज्ञता प्राप्त करने में मदद कर रहा है।

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
PROFESSOR & HEAD
दर्शन-विभाग
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)-470003
Dr. H.S. Gour V.V. SAGAR (M.P.)-470003

9. पुस्तकालय और ई–सामग्री में अध्ययन सामग्री की उपलब्धता।

प्रतिवर्ष दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा विभागीय पुस्तकालय में अध्ययन सामग्री को समृद्ध किया जाता है। यह छांत्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर, एवं शोध के स्तर के पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यक सामग्री खोजने में मदद करता है। विद्यार्थियों द्वारा बिन्दु क्रमांक 09 में प्राप्त प्रतिक्रियोओं से यह परिलक्षित होता है कि अधिकांश विद्यार्थियों ने अति–उत्कृष्ट प्रतिक्रिया दी है एवं किसी भी विद्यार्थी ने औसत स्तर से नीचे इस बिन्दु पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है।

10. विश्वविद्यालय में प्रायोगिक अध्ययन/अध्यापन का स्तर।

विश्वविद्यालय में प्रायोगिक अध्ययन/अध्यापन का स्तर उच्चस्तरीय है। विद्यार्थियों द्वार इस बिन्दु पर दी गईं प्रतिक्रियाओं से यह परिलक्षित होता है कि दर्शनशास्त्र विषय में भी अध्ययन/अध्यापन का स्तर संतोषप्रद है।

11. केस स्टडीज/डेमो के साथ पाठ्यक्रम के अनुसार व्यवस्थित तरीके से पाठ्य सामग्री का वितरण और पाठ्यक्रम समन्वयक द्वारा पाठ्यक्रम को समय पर पूरा करना।

बिन्दु क्रमांक 11 के सर्वेक्षण परिणाम के अनुसार दर्शनशास्त्र विषय के पाठ्यक्रम समन्वयकों द्वारा पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय द्वारा जारी अकादमिक कैलेन्डर के अनुसार समय पर पूरा किया जाता है।

12. गतिविधि/परिणाम आधारित शिक्षा के माध्यम से कक्षाएँ दिलचस्प, संवादात्मक एवं सहभागी हैं?

स्नातकोत्तर कक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए यह पाठ्यक्रम रोचक है। पाठ्यक्रम में तर्कशास्त्र, नीतिशास्त्र जैंसे व्यावहारिक जीवन में काम आने वाले विषयों की सैद्धान्तिक अवधारणाएँ भी शामिल हैं। विद्यार्थियों के आचरण में सुधार लाने में, तार्किक व सूक्ष्म चिन्तन की क्षमता उत्पन्न करने के साथ ही भारतीय ज्ञान पद्धति से परिचय कराने में कक्षाएँ उपयोगी रहीं। तर्कशास्त्र जैंसे विषयों की कक्षाएँ विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सहायक रहीं। विद्यार्थियों द्वारा इस बिन्दु पर प्राप्त प्रतिक्रियाएँ यह स्पष्ट रूप से इंगित करती हैं कि कक्षाएँ दिलचस्प, संवादात्मक एवं परिणाम आधारित रहीं।

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
PROFESSOR & HEAD
दर्शन-विभाग
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)-470003
Dr. H.S Gour V.V. SAGAR (M.P.)-470003

13. पाठ्य समन्वयक ज्ञानी, ईमानदार, सौहार्दपूर्ण, उत्साही, ऊर्जावान और सुलभ हैं?

स्नतकोत्तर दर्शनशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा जो सर्वेक्षण प्रतिक्रिया दी गई है वह यह इंगित करती है कि इस विषय के पाठ्य समन्वयक ज्ञानी, ईमानदार, सौहार्दपूर्ण, उत्साही, ऊर्जावान और सुलभ हैं। इस बिन्दु पर एक छात्र की सर्वेक्षण प्रतिक्रिया संतोषप्रद और चार छात्रों की सर्वेक्षण प्रतिक्रिया अति–उत्कृष्ट श्रेणी की हैं।

14. पाठ्यक्रम के शिक्षकों द्वारा उत्तर लिपियों/असाइनमेंट के मूल्यांकन की दिशा में पारदर्शिता?

बिन्दु क्रमांक 14 पर विद्यार्थियों द्वारा अपनी–अपनी सर्वेक्षण प्रतिक्रिया अति–उत्कृष्ट श्रेणी की दी गई है। प्राप्त प्रतिक्रियाओं से यह स्पष्ट है कि दर्शनशास्त्र विभाग के शिक्षकों द्वारा ईमानदारी से शिक्षण में अच्छे आचरण और सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन किया जाता है।

15. पाठ्यक्रम द्वारा स्व–शिक्षा/स्व–अध्ययन के लिए प्रोत्साहन?

कक्षा में अपनी प्रस्तुति के माध्यम से कुछ विषयों के स्व–अध्ययन से विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के आयामों का पता लगाने में मदद मिलती है, इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है। स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विषय के सभी पाठ्य समन्वयक विद्यार्थियों को समय–समय पर अपनी क्षमता से स्व–अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करते हैं। स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र सत्र 2021–22 के 05 विद्यार्थियों द्वारा अपनी प्रतिक्रिया सम्बन्धित सर्वेक्षण में ऑनलाइन माध्यम से दी गई जो संतोषप्रद है।

(प्रो0 अम्बिकादत्त शर्मा)

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
PROFESSOR & HEAD
दर्शन-विभाग
DEPARTMENT OF PHILOSOPHY
डॉ. हरीसिंह गौर वि. वि. सागर (म.प्र.)-4700
Dr. H.S. Gour V.V. SAGAR (M.P.)-470